NATH GROUP

नाथवार्ता

प्रथमांक : अक्तुबर 2010

नाथ बायो-जीन्स (इं) लि. की त्रैमासिक गृहपत्रिका

समृध्दि और खुशहाली के बीज...

NATH SEEDS

नाथ बायो-जीन्स (इं) लि.
औरंगाबाद-431 005 (महाराष्ट्र)

संपादकीय चिट्ठी...

'नाथवार्ता' का यह अंक हमारे पाठकों को सुपुर्द करते हुए हमें अतीव हर्ष हो रहा है। इस हर्ष के कई कारण है। नाथ बायोजीन्स इंडीया लिमिटेड परिवार की एक गृहपत्रिका नियमित रूप से प्रकाशित हो, ऐसी कंपनी की कई दिनोंसे इच्छा थी। उसे आज मूर्त रूप मिला रहा है। गृहपत्रिका वो एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है, जो कंपनी से संबंधित सभी लोगों को जोडती है। कंपनी के कर्मचारी तथा उनके परिजन, कंपनी के उत्पाद अंतिम उपभोक्ता तक ले जाने में सबसे महत्त्वपूर्ण योगदान देनेवाले हमारे वितरक-विक्रेता व्यापारी बंधू, कृषि विभाग के सरकारी कर्मचारी तथा हमारे बीजों से अच्छी उपज पाकर देश को कृषिउत्पादन में स्वयंपूर्ण बनाने का श्रेय जिनको जाता है, वे हमारे हजारो लाख्खो किसान बंधू, तथा समाज का वह वर्ग जिसे कृषिक्षेत्र में दिलचस्पी है, इन सभी को जोडने का महत्त्वपूर्ण कार्य यह गृहपत्रिका 'नाथवार्ता' करेगी।

इसका जो प्रारूप हमने बनाया है, उसमे यह पत्रिका एक त्रैमासिक के रूप में प्रकाशित होगी। इस तरह हम एक वर्ष में चार अंक प्रकाशित करेंगे। इस गृहपत्रिका में हिंदी तथा अंग्रेजी दोनो भाषाओं में सामग्री दी जायेगी, ताकी इसका आस्वाद देश के सभी प्रांतो के हमारे पाठक ले सके। इस पत्रिका में जो सामग्री उस में कंपनी तथा उससे संबंधित सभी लोगों के आस्था के विषय होंगे। कंपनी से संबंधित घटनाएं, कार्यक्रम, अनुसंधान विभाग का कार्य, हमारी योजनाएं विभिन्न ब्रांचेस की गतिविधीयाँ, हमारे महत्त्वपूर्ण वितरकों/ व्यापारी बंधुओं का परिचय, कर्मचारीयोंद्वारा भेजी गई रोचक पाठ्य सामग्री, उनके बच्चों की शैक्षणिक तथा अन्य क्षेत्र की उपलब्धियाँ, हमारी स्कीमे, नाथ बायोजीन्स परिवार में शामील नये कर्मचारी-व्यापारी सदस्य, किसानों के लिए मार्गदर्शन, काश्तकारीसंबंधी उपयुक्त सूचनाएं, इत्यादि इत्यादि!

कुल मिलाकर एक वाचनीय तथा उपयुक्त गृहपत्रिका के रूप में 'नाथवार्ता' को सभी को एक सूत्र में बाँधना है, तथा आपसी संबंधों को सुधारना है, अधिक दृढ़ करना है। संबंधों में मधुरता बनाये रखना आज के दौर के लिए नितांत आवश्यक है। कई प्रश्न और समस्याओं का समाधान आसानी से निकाला जा सकता हे, अगर आपसी संबंध अच्छे हो। इस गृहपत्रिका का प्रथम उद्देष और प्राथमिकता उत्तम संबंध बनाना यही है।

नाथवार्ता' के लिये ग्रुप अध्यक्ष मा. श्री. नंदकिशोर कागलीवालजी तथा प्रबंध संचालक मा. श्री. सतीश कागलीवालजी का मार्गदर्शन बहुमूल्य है। तकनिकी संचालक श्री. एस. यु. बेग तथा अनुसंधान विभागप्रमुख डॉ. रैना साहब जैसे जेष्ठ एवं अनुभवी वरिष्ठों का योगदान महत्त्वपूर्ण है। 'नाथवार्ता' की सफलता अधिक से अधिक लोगों के सहयोग तथा सहभागिता पर निर्भर करती है। यह सहयोग और सहभागिता हमे भविष्य मे हमेशा मिलेगी ऐसा हमे विश्वास है। आप को यह अंक कैसा लगा, यह भी आप हमे लिखकर अवश्य बताएं।

सभी को धन्यवाद तथा विजयादशमी और

दिवाली की शुभकामनाएं।
आपके स्नेहाभिलाषी,

'नाथवार्ता' टीम

नाथ मुख्यालय के प्रांगण से...

हर्षोल्लास और भावभक्ती के साथ नाथ मुख्यालय ने मनाया गणेशोत्सव

नाथ मुख्यालय औरंगाबाद मे पुरे हर्षोल्लास और भावभक्ती के साथ इस वर्ष भी गणेशोत्सव मनाया गया।

श्री. शिवशंकर फाळके और उनके सहयोगीयोंद्वारा की गई गणेशमूर्ती की सजावट प्रशंसाजनक थी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत गीतसंगीत के साथ महिलाओं, बच्चो तथा कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खेलकुद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। सारे आयोजनों मे नाथ मुख्यालय कर्मचारियों ने जमकर हिस्सा लिया।

गणेशोत्सव की यशस्वीता के लिये गणेश मंडल के अध्यक्ष श्री. संतोष जोशी, उपाध्यक्ष डॉ.सी. एस. पाठक, एम. डी. देशपांडे, शिवाजी सोमवंशी, सचिव राम नाके, प्रदीप अंबुलगेकर, डॉ. एस. यु. परदेशी तथा कोषाध्यक्ष सुनिल दीक्षित इनके प्रयासों का योगदान महत्त्वपूर्ण रहा। प्रेरणा एवं मार्गदर्शन सतीश कागलीवाल एवं नंदकिशोर कागलीवालजी से समयसमयपर प्राप्त होता रहा। यहाँ इस वर्ष की एक छोटीसी झांकी कुछ छायाचित्रों के माध्यम से हम दे रहें है।

हमारे विशिष्ट अतिथी गण

Mr. Eddie Malone, Deputy Head UKTI Western India, British Deputy High Commission, Mumbai and Mr. John Bunter, Trade & Investment Adviser, British Trade Office, Pune are being welcomed by our Mr. Baig at Nath headquarters. Both the VIP guests were happy to see our activities.

बी. रघुनाथ काव्यसंध्या

नाथ ग्रुप द्वारा आयोजित विख्यात मराठी कवी बी. रघुनाथ काव्यसंध्या का यह बीसवाँ आयोजन था। मराठी के औरंगाबाद स्थित प्रकाशक तथा लेखक श्री बाबा भांड जी का सत्कार इस अवसर पर किया गया। छायाचित्र में श्री. सुधीर सेवेकरजी इस आयोजन की भूमिका स्पष्ट कर रहें है। मंच पर विराजमान कवी नारायण सुमंत, श्रीमती आशा भांड, सत्कारमूर्ती श्री. बाबा भांड, कवी प्रभाकर साळेगांवकर, नाथ ग्रुप के अध्यक्ष श्री. नंदकिशोरजी कागलीवाल, कवी फ. मु. शिंदे। बडी संख्या में काव्यप्रेमी श्रोताओंने बी. रघुनाथ काव्यसंध्या का आनंद उठाया।

ब्राँचेस की गतिविधीयाँ...

महाराष्ट्र मे जोर-शोर से जारी है फसल निरीक्षण कार्यक्रम

उद्योग के साथ साथ महाराष्ट्र राज्य कृषि मे भी हमेशा देश मे अग्रणी रहा है। फ्युजन बीटी एक्सप्रेस, जगन्नाथ-2, नाथ बाबा, अर्जुन ये हमारी वो प्रजातियाँ है, जो कपास के क्षेत्र मे आज महाराष्ट्र मे अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

श्री. राम नाके साहब के मार्गदर्शन मे श्री. नितीन हरताळकर तथा उनके सहयोगी नंदु पाटील, हेमंत कुलकर्णी और समीर देशमुख फिलहाल जोरशोर से किसानों को कपास फसल का निरीक्षण करवा रहें है। आज तक हजारों की संख्या मे किसानों ने फसल निरीक्षण किया और इन प्रजातियों की विशेषताओं को समझा। जाहिर है, आनेवाले खरीफ मौसम में महाराष्ट्र राज्य मे नाथ कपास बीज अपना हिस्सा अवश्य ही बढायेंगे।

सप्टेम्बर महिने मे 23-24-25 ये तीन दिन महाराष्ट्र ब्रान्च की सारी टीम ने हैद्राबाद शहर, रामोजीराव फिल्मसिटी सफर का लुफ्त उठाया। इस छोटेसे पिकनीक से टीम का आपसी तालमेल और संबंधों मे निःसंशय ही सुधार आया है। एक नई उर्जा के साथ अब महाराष्ट्र टीम अपने मे जुट गयी है।

डॉन की धूम

हाल ही में चित्तौड़ क्षेत्र के अनेक गावों में कपंनी ने खेत दिवस मनाए हैं। किसानों, डीलर और डिस्टीब्यूटर्स ने कंपनी की नई मक्का 'डॉन -1588' का भरपूर स्वागत किया। काकोड़ा में किसान घनश्याम मीणा पुत्र मूलचंद मीणा के खेत पर करीब 300 किसानों ने 'डॉन-1588' के खेत प्रदर्शन को देखा तो दंग रह गए। शंभुपुरा गाँव में आए किसानों ने बताया कि नाथ की मक्का हमारे खेतों को हरा भरा बना दिया है। इस मक्का ने 80 दिन में ही पूरा फल पका दिया है। 14 लेकर 16 लाईनोंवाली 'डॉन' में 48 से लेकर 50 तक दाने और 10-11 इंची की भुट्टा अपनी सफलता की कहानी खुद बता रहा है।

राजस्थान स्टेट सीड कार्पोरेशन का एक डेलीगेशन कंपनी के मुख्यालय औरंगाबाद में निरीक्षण करके आया है। वहाँ कंपनी की रिसर्च और कंपनी के ही खेतों

का डेमो भी देखा। इस निरीक्षण दल में कैलाश चंद मीणा, कुलदीप सिंह, चार निदेशक एवं अन्य अधिकारी वर्ग ने नाथ कंपनी का बारिकी से अध्ययन किया है। यह राजस्थान के किसानों के लिए सौभाग्य की बात है।

मध्यप्रदेश में नाथ कपास का क्षेत्र बढा!

मध्यप्रदेश देश के मध्यवर्ती स्थानपर स्थित है। गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ आदी राज्यों से घिरा यह मध्यप्रदेश और वहाँ के किसानों की हमारे नंदकुमार मानकरजी और उनकी टीम पिछले बीस वर्षों से अधिक समय उत्तम सेवा कर रहे है।

खरगोन, बडवाणी, बुरहानपूर, कुक्षी, मनावर, धामनोद आदि कई क्षेत्रों मे इस वर्ष हमारे फ्युजन बीटी एक्सप्रेस, जगन्नाथ-2 प्रजातियाँ बडे पैमाने पर बिकी। खास बात यह भी है, कई गाँव ऐसे है, जहाँ इससे पहले नाथ कपास बीज बोये नहीं गये थे। वहाँपर भी इस वर्ष नाथ कपास बीज बोये गये, और किसान उससे खुश भी है।

इस साल तेज गर्मी के बावजूद मध्यप्रदेश ब्रांच के भरतसिंग सोलंकी और उसने सहयोगीयोंने जो 'फिल्डवर्क' किया उस काही यह नतिजा है की मध्यप्रदेश के कई गांवो मे पहली बार नाथ के कपास बीज बोये गये। मध्यप्रदेश के हमारे विक्रेतागण, रिटेलर्स, व्यापारी बंधू इससे काफी प्रसन्न है। -एम.पी. टीम

एक फिट लंबा करेला!

करेले की औसतन लंबाई कितनी होती है? लगभग 15 से 20 सेंटीमीटर। परंतु हजारीबाग (झारखंड) मे हमारे सब्जी तरकारी बिजों के जो ट्रायल्स लगे है, उसमे

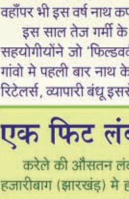

4006 प्रजाती के करेले की लंबाई लगभग 30 सेंटीमीटर देखी गयी है। अब देखना यह है की क्या ऐसा लंबा करेला ग्राहक पसंद करेगा या नहीं!

हमारा टमाटर एनटीएच -671 भी झारखंड मे धूम मचा रहा है। इसके तीन मुख्य कारण है - भरपूर पैदावार, देशी टमाटर जैसा खट्टामीठापण और पुनर्रोपाई बाद केवल 55 दिनों मे टमाटर तुडाई के लिये तैय्यार हो जाता है। इन गुणों की वजह से आनेवाले दिनों मे देशी टमाटर सेगमेंट मे अग्रेसर नाम होगा एनटीएच-671।

हमारे हल्के हरे रंग के गिलकी - 'कोमल' को भी बिहार-झारखंड के लोगों ने बहुत पसंद किया है। कुल मिला यह अवश्य कह सकते है की श्री. राजेश रंजन और उनके टिम के प्रयास नाथ सब्जीतरकारी बिजों के बिक्री मे भी जरूर रंग लायेगी।

- मंजुनाथ तथा राजेश रंजन

ब्रॉंचेस की गतिविधीयाँ...

बारिश कम, फिर भी नाथ धान ने दिखाया दम !

झारखंड राज्य में पिछले दो सालों से बारिश अपेक्षा की तुलना मे बहुत कम बरसी। इसका सीधा असर धान के रकणे पर पडता है। धान का रकणा घटा।

पर अपने कंपनी के लिये संतोष की बात यह है, की जो भी धानबीज इस राज्य मे बीके उसमे लोकनाथ-५०५, लोकनाथ-५१० जैसी प्रजातियाँ सबसे आगे रही। इसका श्रेय श्री राजेश रंजन और उनके टिम के अथक प्रयासों को जाता है। बिहार और झारखंड़ दोनो राज्यों मे धान के साथ साथ बिग बॉस और डॉन ये दोनो मक्कई प्रजातियों को भी वहाँ के किसानों मे बहुत पसंद किया है। आनेवाले दिनों मे मक्कई फसल मे नाथ प्रजातियाँ बहुत अच्छी बढत लेगी इसमे दो राय नहीं।

बिहार-झारखंड ये वो दो राज्य है जो सबसे ज्यादा 'बायो एनर्जी' सभी फसलों के लिये संजीवनी का काम करता है। श्री राजेश रंजनजीने श्री. एस. डी. पाठकजी के मार्गदर्शन मे बिहार-झारखंड मे नाथ का परचम (झंडा) और भी बुलंद करने की योजना बनाई है। हमारी शुभकामनाएं!

- झारखंड टीम

"लान है, तो घान है!"

जी हां! आज पंजाब हरियाणा के किसान इन्ही शब्दों में नाथ फ्युजन बीटी कपास 'युवराज' का वर्णन करते है। असल में यह शब्द पंजाब-हरियाणा की भाषा की एक कहावत है, जिसका अर्थ सरल है, अगर लंबाई अच्छी है, तो बेशक आपको उपज या पैदावार भी अच्छी मिलेगी!

और 'युवराज' कपास प्रजाती बिल्कुल ऐसे ही है। लगभग आठ फिट से अधिक ऊँचाईवाला इसका पौधा होता है, जो अपनी उंचाई और मजबूत कदकाठीसे किसानों का दिल जीत लेता है। जाहिर है ऐसे मजबूत और लम्बी कदकाठीवाले 'युवराज' कपास से किसान को उपज भी बहुत अच्छी मिल रही है। कपास को पंजाब-हरियाणा में नरमा कहा जाता है। 'युवराज' नरमा अपने लंबे कद और अच्छी पैदावार से किसानों का दिल जीत रहा है - और इसलिये किसान खुशी से कह रहै है - "लान है, तो घान है!"

अशोक शर्मा, संजीव वर्मा और उनके सहयोगी 'युवराज' के खेत अधिक से अधिक किसानों को दिखाने में व्यस्त है। - सुभाष संधू

एनबीएच-1717 ने बजाया मारवाड में डंका

बाजरा किस्म "एनबीएच-1717" पर मारवाड़ के जोधपुर जिले में भोपालगढ़ तहसील के बिरई गांव में विशाल फसल प्रदर्शन और किसान मेला आयोजित किया गया। विख्यात वैद्य श्री गोपालकृष्णजी एवं अध्यक्षता ठाकूर दुर्गसिंह, बिरई, भँवरलालजी मेघवाला, सरपंच आमंत्रित थे और कम्पनी की तरफ से जोनल मॅनेजर अभिरंजन द्विवेदी एवं एजीएम नाथ ईस्ट, मार्केटिंग श्री एस. सी. सन्धू ने शिरकत की। गांव में इस दिन बिल्कुल मेले जैसा माहौल था। किसान ने यहां देश के एक मशहूर हाइब्रिड बाजरे के साथ "एनबीएच-1717" की एक एक हैक्टयर खेत में कुश्ती कराई थी जिसमें आसपास के गांवो के 350 किसान और पूरे मारवाड़ से 150 बीज विक्रेताओं ने एक स्वर में "एनबीएच-1717" को विजयी घोषित किया।

NBH-1717
ऊँचाई- 6.6 से 7 फिट
सिट्टा - ठोस,
लम्बाई-9से10 इंच
पकने की अवधि - 65 से 70 दिन।
अधिक फूटाव क्षमता, चारा मीठा, सर्वाधिक उत्पादन, अंत तक चारा हरा भरा रहने की क्षमता।

इस कार्यक्रम में आसपास के गांव के 350 प्रगतिशील किसानों के अलावा जोधपुर, सोयला, बावड़ी, फलौदी, डेंचू, कलऊ, जेठानियां, भोपालगढ़, तिबरी, मथनियां, ओंसिया, चामू, 24 मील, पंडित जी की ढ़ाणी, नागौर, मेड़ता सिटी, मेड़ता रोड, खिमसर, पांचल, विलोका, कुड़ढ़ी, कुचामनसिटी, जायल, डीडवाना, बाड़मेर, बीकानेर, सुमेरपुर आदि जगहों से 150 से अधिक बीज विक्रेता उपस्थित थे। पूरे गांव में जश्न का माहौल था। लग रहा था पूरा गांव नाथमय हो गया है। कम्पनी ने मारवाड़ में बाजरे के महत्त्व को देखते हुए अपने सेटेलाईट रिसर्च स्टेशन गांव लावरी, फोजी साहब की ढ़ाणी में 16 नये बाजरे की हाईब्रिड्स किश्मों की लगातार पिछले तीन सालों से ट्राईल आयोजित कर रही है। - अभिरंजन द्विवेदी

फॅमिली पेज...

सत्य

सत्य के बीज को भले नकार दिया जाए
उसे बेकार व बेकाम करार दिया जाए
पर वह अपना अस्तित्व कभी नहीं खोता है
एक न एक दिन वह अवश्य अंकुरित होता है।
झूठ की जमीन को चीरकर निकलता है
पहले छोटा पौधा फिर विशाल वृक्ष बनता है
बड़े से बड़े तूफानों को हँसते हँसते झेल लेता है
पथिक को छाँव, पंछियों को ठाँव एरां भूखे को भोजन देता है।

समुंदर की असंख्य लहरें ईमानदारी की शिला को डिगा नहीं पाती हैं
बस टकराती हैं, झुंझलाती है और चूर-चूर हो जाती है।
उंचे खुद्दार पहाडों से जब काले बादल टकराते हैं
अस्तित्व विलीन हो जाता है, पानी-पानी हो जाते है।

'नाथवार्ता' के लिए प्रस्तुतीः सोनिया सतीश कागलीवाल

Know the Full-forms...

1. YAHOO	- Yet Another Hierarchy of Officious Oracle
2. ADIDAS	- All Day I Dream About Sports
3. Star TV Network	- Satellite Television Asian Region
4. ICICI	- Industrial credit and Investments Corporation of India.

- Yogesh Sonawane

आपुलकी क्लब कॉर्नर

Aappulki We bond, We Share

नाथ ग्रुप कर्मचारि तथा उनके परिवार मे आपसी स्नेह बढे, तथा उनके विभिन्न कलागुणों का विकास हो, इस उद्देष से नाथ मुख्यालय मे 'आपुलकी क्लब' की स्थापना की गयी। आपुलकी क्लब द्वारा सुर-ताल-मंथन, फिल्म-शो, पिकनिक, खेलकुद आदि कार्यक्रम संपन्न हुये जिसमे नाथ ग्रुप के कर्मचारी और उनके परिवारों ने हर्षोल्लास के साथ हिस्सा लिया. अध्यक्षा श्वेता कागलीवाल तथा उनके सहयोगी श्री. सोमवंशी, बैजु जोसेफ, कॅप्टन खुराणा इनके मार्गदर्शन से भविष्य मे आपुलकी क्लब द्वारा रोचक कार्यक्रम होते रहेंगे.

Story that will inspire you...

One Day I decided to quit...I quit my job, my relationship, my spirituality...I wanted to quit my life.

I went to the woods to have one last talk (GOD), Can you give me one good reason not to quit? His answer surprised me.... Look around, He said, do you see Fern and Bamboo? Yes I replied.

When I planted the fern and the bamboo seeds, I took very good care of them. I gave them light, gave them water. The fern quickly grew from the earth. Its brilliant green covered the floor. Yet nothing came from the bamboo seed. But I did not quit on the bamboo

In the Second year the Fern grew more vibrant and plentiful and again nothing came from the bamboo seed. But I did not quit on the bamboo

He said in year three there was still nothing from the bamboo seed. But I would not quit

In year Four again, there was nothing from the bamboo seed. I would not quit

Then the fifth year a tiny sprout emerged from the earth, compared to fern it was seemingly small and insignificant, But just six months later the bamboo rose over 100 feet tall.

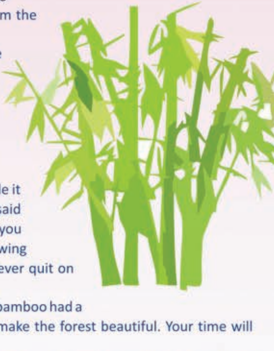

I spent five years growing roots. Those roots made it strong and give it what it needed to survive. He said to me did you know my child, that all this time you have been struggling, you have actually been growing roots? I would not quit on the bamboo. I will never quit on you.

Don't compare yourself with others, He said, the bamboo had a different purpose than the fern. Yet they both make the forest beautiful. Your time will come God said to me, you will rise high,

I left forest and brought back this story to tell all my friends and colleagues. As you know that GOD will never give up on you..................... Then why quit.

Nitin Kulkarni – HRD & Systems
(Collection from Inspirational Management Book)

Happiness is a positive cash flow

चुटकुला-

यात्री : दो टिकट देना।
बस कंडक्टर : दो क्यू? आप अकेले है।
यात्री : अगर एक गुम हो गया तो?
बस कंडक्टर : अगर दोनो गुम हो गये तो?
यात्री : तो मेरा मंथली पास किस काम का?
(संकलन - सुनिल जोगदेव)

अनुरोध

आप को यह अंक कैसा लगा वह आप पत्रद्वारा अवश्य बतायें. आप के पत्र अगले अंक मे अवश्य सम्मिलित किये जायेंगे. पता बाजु मे दिया है. अवश्य लिखिये !

'नाथवार्ता'
नाथ बायो-जीन्स (इं) लि. की त्रैमासिक गृहपत्रिका
निःशुल्क निजी वितरण के लिए
हिंदी तथा अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित

नाथवार्ता टीम
प्रबंध संचालक
श्री. सतीश कागलीवाल
प्रकाशक
श्री. संतोष जोशी
डिझाईन-सजावट
श्री. शिवशंकर फाळके
संपादकीय समन्वय
श्री. सुधीर सेवेकर

पत्राचार एवं संपर्क के लिए पता -
'नाथवार्ता' द्वारा नाथ बायो-जीन्स(इं)लि.
नाथ रोड, नाथ हाऊस, औरंगाबाद-431 001.
फोनः 0240-2376313 से 17,
फॅक्सः 0240-2376188
ईमेलः falke@nathseeds.com

नाथवार्ता